

સરકારી કાય્ય ને (સા. 2023-24) ને (સા. 2023-24)

બનાવોનું હું હાજર (હિન્ડી નિભાગ) સા. પ્રથમ

દાખલ

અગ્રણ
પણ
① હિન્ડી સાહિત્ય નો વિનિયોગ
② હિન્ડી સાહિત્ય ની ફૂર્ણ વર્ણના

અંગીરાસ એન્ટ્રી પ્રોવેન્ચ નો પાર્ટ-ચ

અનુભૂતિ સાહિત્ય પરખણ, કબ્રિદિ | આરોગ્યન
સ્વાસ્થ્યની સમીક્ષા, ધ્રુવનતરી, કખા પરીક્ષા

અંગીરાસ ની રચનાઓ નો પાર્ટ-ચ, પણ
10 અંગી ની વ્યાખ્યા, સમીક્ષા, લંધા પરીક્ષા
સાધુદ્વિક ગોવણા

આરોગ્ય સાહિત્ય ની સમીક્ષા,
શ્રાવણ - ચચ્ચા, લંધા પરીક્ષા, દંત ખાંધ
ગોવણા

નવસ્થા
શ્રાવણ - સાહિત્ય : સ મણા એન્ટ્રી સાહિત્ય
ગોવણા, લંધા - વિનિયોગ | લંધા પરીક્ષા

- ધ્રુવનતર સમીક્ષા, સાધુદ્વિક નાન્દી-નિન્દી
સમાલોચના, લંધા પરીક્ષા

નીચેસ્થા

દોહરાઈ

શ્રી સમા કૃતાર
અન્ની વિશ્વાચ્છયધા
રામ મં વાદળ, જાણ

संक्षोपित कार्य प्रोजेक्ट २०२३-२४, उत्तरी बिहार, रुद्रप्रयाग ३८२१६, तृतीय संस्करण

प्रैवर → १ भारतीय साहित्य

मुख्य लाइ - भारतीय साहित्य की अवधारणा

आगाम - भारतीय साहित्य समझा,

सभाध्यात् समाज शास्त्र, नाट्यार्थ

प्रश्नोत्तर समीक्षा की अभिव्यक्ति

साहित्य में सुलभ को अभिव्यक्ति

शास्त्र साहित्य को पौर्ववर्णन

अच्युतन: यैतन्य और कृष्णवर्ण

इत्याचारी काल्प परम्परा, वाङ्मा

नवजागरण आनंदन और गद्यार्थ

विज्ञास, नाट्य का विचास समीक्षा

लक्ष्य परिदृश्य, दृत नाम घोषणा

हिन्दी रुप वाग्वान साहित्य का

उपायम् अच्युतन:

तव भव रिवेन्यु उगोर रव विश्वास समीक्षा

जीवन्ता एव रवि नानु उगोर

वा अच्युतन, कदा परिदृश्य

२ प्रयोगनमूलक लिखी

मुख्य लिखी पारशापा

ओर स्वप्न

हिन्दी के प्रति, प्रायः पर्व, पर्वान

दिव्यन, पर्वलेखन अव्याप्ति

→ पारिवारिक शास्त्रवाक्य, व्याख्यात

आज देवता रुप हृषीकेश समीक्षा /

आगुन्तुकी रुपी दत्तकाम्प घोषणा

→ अनुवाद परिवारा स्वप्नप

हिन्दी की प्रयोगनीयता, वादा-परिका

आउवाइ के सिद्धान्त एवं व्यवहार

→ प्रैवरीतरी समीक्षा, वादाउवाइ

कोर स्वप्न रुप समझा, वहाँ

ज्ञानवाद, प्रश्नोत्तर समीक्षा

वा परिदृश्य।

३ विशेष रूपनाकार प्रमाण

मुख्य लाइ परिवर्त्य

प्रभावन वीक्षणीय

की अवधारणा सम्पर्क - समीक्षा,

दत्त काम् घोजना

→ प्रभावन की कथानियों (६)

समालोचना, कदा परीदारा

की समीक्षा, आधा, वादा परिका,

आगुन्तुक संवाद

प्रयोगन के विवरों की समीक्षा

व्याख्या, समालोचना, वहाँ परिदृश्य।

→ दी हराई

संकालीन आख्यान योजना (कला संवाद समाज कृति पर्व) सत्र द

हिन्दी विभाग

प्रभुलाल हिन्दी साहित्य का ओँचुनेंग काल : कोडी - भारत में चुगा, द्वितीय चुगा। छन्दोवाद, प्रगतिवाद, प्रगोगवाद तथा काव्य, सम्बालन काव्य, इति काम प्रोत्ता, कला परंपरा आदर्श संविधान वास्तविक वास्तविक उपरोक्त का परिचय, भाषा, समीक्षा, प्रश्नोत्तर 2. व्यापकीर्ण भारती की काव्य की भाषा, समीक्षा, समालोचना 3. तरंग मेला काव्य समीक्षा, प्रश्नोत्तर, सामुहिक ग्रनेवणी, कला परीक्षा 4. नानारूप संवाद समाज की समीक्षा, भाषा, प्रश्नोत्तर, कला परीक्षा 5. रुद्रपीर संवाद की काव्याओं की भाषा, समीक्षा, प्रश्नोत्तर, सामुहिक प्रश्नोत्तर कला परीक्षा आधुनिक 6. कुंवर नारायण पाठ्यचर्चा, काव्याओं की भाषा, समीक्षा, प्रश्नोत्तर, कला परीक्षा 7. अलोध्य जगदी पाठ्यचर्चा, काव्य-भाषा, समीक्षा, प्रश्नोत्तर परीक्षा, सामुहिक ग्रनेवणी, कला काव्य योजना अध्योपयन अध्ययन हिन्दी : प्र०-लेखन, संष्टापन, पत्रस्वर मी समीक्षा, द्वितीय कला परीक्षा, नोहराए	नवमी
--	-------------

डॉ. सी. मा. कुमारी
 हिन्दी विभाग-प्राचीन
 राजकीय महाविद्यालय
 दिल्ली

संगठनीय व्यापार नाड़ी निवास (विश्व संघ - दूतीय सदा) उपर्युक्त विभाग

अग्रहण

मेल के शोभा का अध्यास, दंतकार्प औलना
आवेदन और चिल्हारण की कठिनाई पर व्यापा समिति, नाना-परिषद्

सेवक

अनुबंध

मानवता की कठिनाई की व्यापा, समिति, बद्दा परिषद्
जनकाज त्रिपात्रि निराला, महादेव वर्मी के काले की व्यापा, लक्ष्मा परिषद्
रामधारी शिं तिनकर, हारिहराराज वर्षन - काले विष्णुष्ठर एवं समीक्षा

नवम्बर

प्रदेश नार लेखन अध्यास, राट्राइ

(प्र)

दृष्टि समा कुमारी

दृष्टि वि भाग उपर्युक्त

राम मो वाली, लक्ष्मा

पाठ - गोजना (हिंदी)

क्र. नं. प्रथम वर्ष, प्रथम - सत्र

संत - 2023 - 24

खंड - (क) 'मध्यगाना जीवन आठवीं ऊंचा'

पाठ्यक्रम परिचय

जुलाई - अनुर्ध्व सप्ताह : "कवीरदास जीवन परिचय एवं कवीर के दोहों की सप्तसंग व्याख्या।"

अगस्त - प्रथम सप्ताह : सूरदास जीवन परिचय एवं सूरदास के दोहों की सप्तसंग व्याख्या।

द्वितीय सप्ताह : तुलसीदास जीवन परिचय एवं तुलसीदास के पदों की सप्तसंग व्याख्या।

तृतीय सप्ताह : मीराबाई जीवन परिचय एवं मीराबाई के पदों की सप्तसंग व्याख्या।

चतुर्थ सप्ताह : सप्तसंग जीवन परिचय एवं रसखान के संवेदी की सप्तसंग व्याख्या।

सितंबर - प्रथम सप्ताह : विहारी जीवन परिचय एवं विहारी की सप्तसंग व्याख्या।

द्वितीय सप्ताह : घनानंद जीवन परिचय एवं घनानंद के पदों की सप्तसंग व्याख्या।

तृतीय सप्ताह : कवीरदास, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई के आठवीं संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

चतुर्थ सप्ताह : रसखान, विहारी एवं घनानंद के आठवीं संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

खंड - (ख) 'हिंदी साहित्य का आधिकाल'

प्रथम सप्ताह : हिंदी साहित्यिकी संवेदन की परम्परा

द्वितीय सप्ताह : आधिकाल का नाभिकरण एवं परिस्थितियाँ

तृतीय सप्ताह : आधिकालीन साहित्य की सामाजिक प्रभावीयाँ

चतुर्थ सप्ताह : रासोआठवीं परम्परा : साहित्य परिचय।

खंड - (५) 'गोपयास्त्र'

नवम - ५५८ सप्ताह : गांधी की वर्णन, साः स्वरूप और अंग

हिन्दी सप्ताह : - रस के गेह, अलंकार, विद्य

तृतीय सप्ताह : शब्द शब्दियाँ, गांधी - गुण

चौथा सप्ताह : दोहराना ।

Postnam

डॉ. बैपुनम राजी^१

(हिंदी - विभाग)

२०. वीरपल राजभाइ महाविद्यालय
वाक्ती (झज्जार)

पाठ - गीजना (हिंदी)

वि. द. हितेश वर्मा, तृतीय - राजा

राज - 2023 - 24

खंड (क) 'आधुनिक हिंदी भाषिता'
पाठ्यक्रम परिचय

जुलाई - चतुर्थ सप्ताह - 'अगोद्धर्मा' में हिंदू आदर्शों 'हरिओंदा' जीवन परिवार, परन्तु भी भाषिता की समसंग जुड़ते हैं।

अगस्त - प्रथम सप्ताह - भूमिकाएँ गुप्त जीवन परिवार, जगत्का वर्ष भाषिता की समसंग जुड़ते हैं।

हिन्दी सप्ताह - भारत-भारती, संकेतों बहाँ में नहीं स्पष्ट का लाया भाषिता की समसंग जुड़ते हैं।

तृतीय सप्ताह - जगत्कार भ्रस्त जीवन परिवार, आनंद सर्ग, व अंसु भाषिता की समसंग जुड़ते हैं।

चतुर्थ सप्ताह - सूर्यकांत लिपाड़ी जीवन परिवार, विद्या, बालक राग, जागौ त्रिह एक वर, तोड़ती पत्तर भाषिता की समसंग जुड़ते हैं।

सितम्बर - प्रथम सप्ताह - महादेवीपर्णजीवन परिवार, जह दे माँ क्या अत देखूँ!, औन हम के हृदय में, हुक्म की वक्ती, वे भुक्ताते फूल नहीं भाषिताओं की समसंग जुड़ते हैं।

द्वितीय सप्ताह - रामधारी सिंह 'फिल्म' जीवन परिवार, जुस्कोट्र की समसंग जुड़ते हैं।

तृतीय सप्ताह - भारत भूक्ता अब्रवाल का जीवन परिवार, आने वालों से एक सवाल, दूँगा भूँ, फूल के बोलौ भाषिताओं की समसंग जुड़ते हैं।

चतुर्थ सप्ताह → अचोष्मासिंह उपाध्याय 'हरिओंदा', भूमिकाएँ गुप्त, जगत्कार भ्रस्त, भीराला, महादेवी वर्मा फिल्म एवं अब्रवाल के साहित्य के आलोचनात्मक स्पष्टन्।

अवधार — 'अंड-ख' 'हिंदी साहित्य का शीतिलाल'

प्रथम सप्ताह — शीतिलाल ने हिंदी काव्यता की पृष्ठभूमि

द्वितीय सप्ताह — शीतिलाल का नामलकड़ा व निशीघताएँ

तृतीय सप्ताह — शीतिलाल में शीतिकड़ भाष्य की निशीघताएँ

चतुर्थ सप्ताह — शीतिलाल भाष्य की निशीघताएँ व शीति-
आलिङ्गन भाष्य की उपलब्धियाँ

नवमवार्ष — 'अंड-ख' 'प्रर्योजनभूलन हिंदी : हिंदी का खूबिंग और अनुवाद'

प्रथम सप्ताह — अमेजूर स्वस्य और महत्व, ई-मेल :

प्रेषण - ग्रहण

द्वितीय सप्ताह - इंटरनेट : स्वस्य और उपयोगिता

तृतीय सप्ताह - मशीनी अनुवाद, अनुवाद : परिचाला और
स्वस्य ।

चतुर्थ सप्ताह — दैहराना ।

Poornam

डॉ. पूनम राणी

हिंदी-विभाग

कौ. वीरपाल राजकीय महाविद्यालय,
बाठली (झज्जर)

पाठ - शोजना (हंडी)

स्नानोत्तर पुर्वी, पूर्वम सेमट्रॉ
आधुनिक हिन्दी भविता - ।

सन - 2023 - 24

पाठ्यक्रम पीस्चर्ची

अगस्त - मैथिली शशा गुप्त : सौकेत (नवम सर्ग) की समसंग ०२५०३१
एवं बांध संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

सितम्बर - जयशंकर भस्त्र : बाभारती (छाड़ा छं २४स्थ सर्ग) की
समसंग ०२५०३२ छं बांध संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

अक्टूबर - सूर्यकांत श्रीपाठी 'निरालो' : राम की शारीर पुजा, सोह
निर्झर बढ़ गया है, संघर्ष सुन्दरी, मैं अकेला, तोड़ती
पत्तर, वाक्य राज (पृष्ठम खंड) की समसंग ०२५०३३ एवं
कांध संबंधी आलोचनात्मक प्रश्न।

नवम्बर - शमशारी सिंह 'किनकर' : कुरुक्षेत्र (४५२२ सर्ग) की
समसंग ०२५०३४ एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

द्विसप्तम - दोहराना ।

Poonam

डॉ. पूनम रानी

हिन्दी - विभाग

कौ. वीरपाल राजकीय महाविद्यालय
वाराणी (इंडिया)

पाठ - चोजना (हिंदी)

स्नातकोत्तर पूर्वी, प्रथम समेस्टर
आधुनिक हिंदी ग्रन्थ - ।

सम - 2023-24

पाठ्यक्रम परिचय

अधिकारी - ग्राम, उपनगर संबंधी आलीचना के प्रश्न

सितम्बर - वारानसी की आवक्षणिक, उपनगर संबंधी आलीचना के

प्रश्न

अक्टूबर - अतीत के विवरण, संस्मरण संबंधी आलीचना के

प्रश्न

नवम्बर - उसने कहा था, अपने, आकाशकाष्ठि, पत्नी, डॉक्टरीन, वाप्सी, लाल पाप की वेगम, निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना और शिल्प ।

दिसंबर - दोहराना ।

Program

कृष्ण पुनम राजी

हिंदी - विभाग

कौ. वीरपाल राजनीति महाविद्यालय,
वाराणी (झजुरा)

पाठ - गौजना (हिंदी)

स्नानोत्तर पुस्तक, प्रथम संस्करण

दिन - 2023 - 24

आषा विज्ञान द्वारा हिंदी भाषा - ।
पाठ्यक्रम परिचय

उद्देश्य - भाषा

भाषा की परिआषा और प्रश्नाएँ, भाषा के अध्ययन की ओर,
भाषा की व्याख्या और व्यवहार, भाषा की संरचना,
भाषा के अध्ययन की धिक्कारें ।

सिलेक्ट - स्वनीविज्ञान

बाह्यिक और इन्हानी - उत्पादन प्रक्रिया, स्वन परिआषा
और वर्गीकरण, स्वनशुल्क और उनकी सार्थकता, स्वनिक
परिवर्तन की धिक्कारें, स्वनिम; स्वस्य और वर्गीकरण ।

उद्देश्य - स्वप विज्ञान द्वारा विज्ञान

शब्द और स्वप, संकेत कल्प और अर्थ तत्त्व सम्बन्ध,
संस्कृप्त, स्लिपों का स्वस्य, स्लिपों का वर्गीकरण,
भाषा की इकाई के रूप में विज्ञान, अभियान और विवाद
और अन्वयिता विवादानामाद, विज्ञान के प्रकार

उद्देश्य - अर्थ विज्ञान

अर्थ की अवधारणा, शब्द - अर्थ संबंध, अर्थ - कोटि
के साधन, उल्लेखन, अर्थकार्यकारी, अर्थ-परिवर्तन
की धिक्कारें ।

हिस्सेकर - भाषा - लिपि द्वारा अर्थ विज्ञान - संकेत

भाषा और लिपि के घटकों के संबंध, भाषाविज्ञान और
अर्थ विज्ञान से संकेत, भाषाविज्ञान और व्याकरण,
भाषाविज्ञान और साहित्य, व्यातिरीकारी भाषाविज्ञान,
समाज भाषाविज्ञान ।

दृष्टव्याना ।

Poornam

डॉ. पुनम रानी
हिंदी-विभाग

टी. वी. विपाल राजनीष
भूषण भात्य, वाक्या
(क्षेत्र)

पाठ - गोजना (हिन्दी)

सनातोत्तर उत्तरद्वीप, दृश्य सेमेस्टर
भारीन छंग मध्यमालीन आठवीं - ।

शत्र - 2023 - 24

जुलाई - गुरुवर्ष सप्ताह - पाठ्यक्रम पारचर्ची

अगस्त - 'यद्यकरदाशी' : पूर्वीराज रसात का पदभावती समय'
की सप्तसंग ०२०२० ।

पूर्वीराज रसो का भाभाविकता, पूर्वीराज रसो का
वस्तु - वर्णन, पदभावती समय का आठवीं सांख्यि
आलोचनात्मक प्रश्न ।

सितम्बर - विद्यापति : 'विद्यापति की पदावली' की सप्तसंग
०२०२० ।

विद्यापति : अक्त या तुंगारी भाषा, विद्यापति का
सुंगार वर्णन, विद्यापति का सांख्यि वीच, विद्यापति
की गीतियोजना, विद्यापति का आठवीं - शिल्प
आलोचनात्मक प्रश्न ।

अक्टूबर - जबों की साधियों और यदों की सप्तसंग ०२०२० ।
कबीर की सामाजिक विद्यारथारा, निर्गुणीपसन्ना,
भावित, एकानीक ध्येतन, जबों की प्रासंगिकता,
कबीर का आठवीं - शिल्प आलोचनात्मक प्रश्न ।

नवम्बर - द्वितीया

Ramnam

डॉ. पुनम रानी
हिन्दी - विभाग
-डॉ. वीरपाल राजनीति महावि-
द्यालय, वारली (कर्नाटक)

पाठ - योजना (हिन्दी)

मालवीय उत्तर भूमि, तृतीय सेमेस्टर

भारतीय वाचकास्त - ।

सम - 2023 - 24

जुलाई - पाठ्यकार्य परिवर्त्ती

अगस्त - काठमुखी रूप और अलंकार

काठमुखी, अर्प और परिभाषा, काठमुखी हेतु, काठमुखी-पर्याय, काठमुखी शब्द : महाकाठमुखी, श्वेतकाठमुखी, गीतिकाठमुखी ।

सितम्बर - रस - सिद्धांत

रस : परिभाषा तथा रूपरूप, रस - विषयी, साधारणीकरण,

सहकथ की अवधारणा

अक्टूबर - अलंकार सिद्धांत, इति सिद्धांत, व्याख्या सिद्धांत,

वक्तव्य सिद्धांत, आचित्र सिद्धांत

नवम्बर - हिन्दी के प्रमुख आलोचक रत्ना उनका आलोचना हैं

आन्ध्री रामचंद्र शुक्ल, आवाच नेत्रुलारे वाजपेयी,

आवाच हजारीपुसाद छिवेदी, डॉ. रमेशलास रामी ।

दिसम्बर - दोहराना

Ramachandram

डॉ. पूनम रानी

हिन्दी - विभाग

पौ. वीसल राजकीय महाविद्यालय,
बढ़ली, दक्षिण)